जैविक संपदा के संरक्षण में समितियां निभाएंगी अहम भूमिका

जासं, सासाराम : स्थानीय फजलगंज स्थित इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को जिला के पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की तरफ से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र कुमार ने किया। डीएम ने कहा कि जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विशेष रूप से कार्य करें। उम्मीद है कि इस क्षेत्र में रोहतास बेहतर कार्य करेगा। समितियां यहां की जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएंगी। खुशी की बात है कि बिहार में रोहतास जिला से प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव गणेश कुमार ने कहा राज्य के सभी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है। समिति के राज्य में 58 हजार सदस्य हो गए हैं। वृक्षों को मित्र बनाने और विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जा रहा है। 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें। बीजू आम को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। पर्षद के उपनिदेशक सुनील कुमार सिंह ने कहा कि रोहतास जिला के 229 पंचायतों में जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन हो चुका है। सभी अध्यक्षों से आग्रह है कि वे अपने पंचायत में जाकर सभी सदस्यों को इस प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताएं और आमजन को जागरूक करें। जैव विविधता एक्ट का मूल उद्देश्य जैविक संसाधन को संरक्षित करना है। जैविक संसाधनों पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का अधिकार है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सह जैव विविधता प्रबंधन समिति के जिला नोडल पदाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जैविक संसाधन से समितियां लाभान्वित हो सकती हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम धर्मेंद्र कुमार।